

**A-0341**

**Total Pages : 5**

**Roll No. ....**

**MAPSY-602**

**M.A. PSYCHOLOGY (MAPSY)**

**(Clinical Psychology and Psychopathology)**

**3rd Semester Examination, Session December 2024**

**Time : 2:00 Hrs.**

**Max. Marks : 70**

**Note :-** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. *Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.*

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। *परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।*

## Section-A

(खण्ड-क)

### Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×19=38

**Note :-** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Elaborate the nature, types, and utility of interviews in clinical psychology.

नैदानिक मनोविज्ञान में साक्षात्कार की प्रकृति, प्रकार और उपयोगिता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. Elaborate the importance and utility of the case history method in psychological assessment.

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में व्यक्ति इतिहास विधि का महत्व और उपयोगिता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. Elaborate the techniques of client-centered therapy in psychological intervention.

मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप में रोगी-केंद्रित चिकित्सा की तकनीकों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. Elaborate the role of biological factors in the causes of mental disorders.

मनोविकृति के कारणों में जैविक कारकों की भूमिका का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. Elaborate the ethical guidelines for clinical psychologists.

नैदानिक मनोवैज्ञानिक के लिए नैतिक दिशानिर्देशों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

## Section-B

(खण्ड-ख)

### Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×8=32

**Note :-** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the role of a psychologist in the field of clinical psychology.

नैदानिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक की भूमिका का वर्णन कीजिए।

2. Describe different types of anxiety disorders according to DSM-IV.

DSM-IV के अनुसार चिंता विकृतियों के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. Describe the major principles of psychoanalytic therapy.

मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. Describe the different stages of psychological assessment

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

5. Describe the utility of personality tests in psychological assessment.

मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में व्यक्तित्व परीक्षणों की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

6. Mention the major symptoms of Post-Traumatic Stress Disorder (PTSD).

पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD) के प्रमुख लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

7. Briefly describe the basic concepts of behaviour therapy in psychotherapy.

मनोचिकित्सा में व्यवहार थेरेपी की मूल अवधारणाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. What is the difference between clinical psychology and experimental psychology ?

नैदानिक मनोविज्ञान और प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में क्या अंतर हैं ?

\*\*\*\*\*